शताब्दी दौड़ के साथ कार्यक्रमों का आगाज

देहरादून (एसएनबी)। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण संस्थान (जेडएसआई) बुधवार को 100 साल का हो गया है। संस्थान की स्थापना एक जुलाई 1816 को कोलकाता में हुई थी। वर्तमान में विभिन्न राज्यों में संस्थान के 16 क्षेत्रीय केंद्र हैं। स्थापना दिवस के अवसर पर कौलागढ़ रोड स्थित जेडएसआई के उत्तर क्षेत्र केंद्र में आज शताब्दी दौड़ का आयोजन किया

- जीएसआई ने पूरे किये स्थापना के सौ साल
- यूकोस्ट के महानिदेशक ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ को किया रवाना

गया। इसीके साथ संस्थान में शताब्दी समारोह भी शुरू हो गया है। अगले सालभर तक संस्थान में कई कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकोस्ट) के महानिदेशक राजेन्द्र डोभाल ने बतौर मुख्य अतिथि शताब्दी दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शताब्दी दौड़ किशननगर चौक से शुरू होकर कौलागढ़ स्थित जेडएसआई के कार्यालय पर संपन्न हुई।

शताब्दी दौड़ को रवाना करते यूकोस्ट के महानिदेशक राजेन्द्र डोभाल।

जेडएसआई समेत तमाम वैज्ञानिक संस्थानों के वैज्ञानिक, कार्मिक व स्कूली छात्र-छात्राएं शताब्दी दौड़ में शामिल हुई। इसके बाद स्कूली छात्र-छात्राओं को जेडएसआई की डीएनए माल्युकूलर लैब, संग्रहालय आदि का भ्रमण कराया गया।

संस्थान के वैज्ञानिकों ने छात्र-छात्राओं को बताया कि सौ साल के सफर में जुलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जीएसआई) ने प्राणी सर्वेक्षण के क्षेत्र में किस तरह शोध/अनुसंधान किया है। कहा कि भारत में वर्तमान तक एक लाख के आसपास प्राणी प्रजातियों कीं पहचान की जा चुकी है। इनमें से अधिकांश की पहचान व उनका वैज्ञानिक वर्गीकरण जेडएसआई के वैज्ञानिकों द्वारा ही किया गया है।

इस अवसर पर यूकोस्ट के महानिदेशक राजेन्द्र डोभाल ने प्राणी सर्वेक्षण व अनुसंधान के क्षेत्र में जेडएसआई द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर संस्थान ने भारत को नई पहचान दिलाई है। इससे पहले संस्थान की विभागाध्यक्ष अंजुम ए रिजवी ने शताब्दी दौड़ में शामिल हो रहे सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया।

जेडएसआई की शताब्दी दौड़ को बुधवार को यूकॉस्ट के महानिदेशक ने हरी झंडी दिखाई।

जेडएसआई की शताब्दी दौड़ में बच्चे-बुजुर्ग सब भागे

देहरादून | कार्यालय संवाददाता

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण (जेडएसआई)की उत्तर जोन इकाई ने शताब्दी वर्ष के मौके पर शताब्दी दौड़ का आयोजन किया। कौलागढ़ स्थित जेडएसआई में स्कूली बच्चों को प्राणियों के नमूनों के संरक्षण की वैज्ञानिक तकनीक बताई गई।

किशननगर चौक स्थित राधा-कृष्ण मंदिर से शताब्दी दौड़ को यूकॉस्ट के महानिदेशक डा. राजेन्द्र डोभाल व इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेसिंग के डा. ए. सैंथिल कुमार ने हरी झंडी दिखाई। दौड़ कौलागढ़ स्थित जेडएसआई के कार्यालय में पूरी हुई। दौड़ में शामिल वरिष्ठ व सेवानिवृत्त अधिकारियों ने भी ये दूरी पैदल चलकर पूरी की। शताब्दी दौड़ में शामिल केवी ओएनजीसी, एफआरआई के कक्षा 9 व 10 वीं के छात्रों को प्रमाणपत्र भी वितरित किए गए।

इस मौके पर जेडएसआई केऑफिसर्स इंचार्ज डा. एएन रिजवी, जेडएसआई के पूर्व अधिकारी डा.पीटी भूटिया, डा. पीसी टांक, एफआरआई के साइंसटिस्ट, एंथ्रोपॉलॉजी सर्वे ऑफ इंडिया, सीपीडब्ल्यूडी, बॉटनीकल सर्वे ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि मौजूद थे।

सौ साल का हुआ प्राणी सर्वेक्षण संस्थान

◆ शताब्दी वर्ष पर आयोजित किए कार्यक्रम, शताब्दी दौड़ का किया आयोजन

देहरादून: भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के शताब्दी स्थापना दिवस पर शताब्दी दौड़ का आयोजन किया।

संस्थान में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि निदेशक भारतीय सुदूर संवेदी संस्थान डॉ. ए सेंथिल कुमार व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक डॉ. राजेंद्र डोभाल ने किया। अतिथियों ने किशन नगर स्थित श्रीकृष्ण मंदिर से शताब्दी दौड़ का शुभारंभ किया। दौड़ में बच्चों के साथ ही संस्थान के कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने भी शिरकत की। शहर के प्रमुख मार्गों से होते ही संस्थान परिसर में दौड़ संपन्न हुई। शताब्दी संदेश विभाग की प्रभारी अधिकारी डॉ. एएन रिजवी ने शताब्दी संदेश पढ़कर सुनाया। इस दौरान डॉ. राजेंद्र डोभाल ने उत्तराखंड के इतिहास में जैव विविधता की महत्ता का व्याख्यान दिया। उन्होंने बच्चों को जैव विविधता के संरक्षण के क्षेत्र में भविष्य बनाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान स्कूली बच्चों ने आधुनिक प्रयोगशालाओं में उच्च आणविक वर्गीकरण से रूबरू हुए। साथ ही बच्चों ने भारतीय प्राणी सर्वेक्षण विभाग के वैज्ञानिकों ने जैव विविधता की अध्ययन की तकनीकें जानी। कार्यक्रम में डॉ. नरेंद्र शर्मा, डॉ. विनिता शर्मा आदि उपस्थित थे।

जैव विविधता पर शपथ व बच्चों को प्रेरणा

• भारतीय प्राणी सर्वेक्षण देहरादून की शताब्दी वर्षगांठ

स्वतंत्र आवाज़ डॉट कॉम

Thursday 2 July 2015 03:28:30 AM

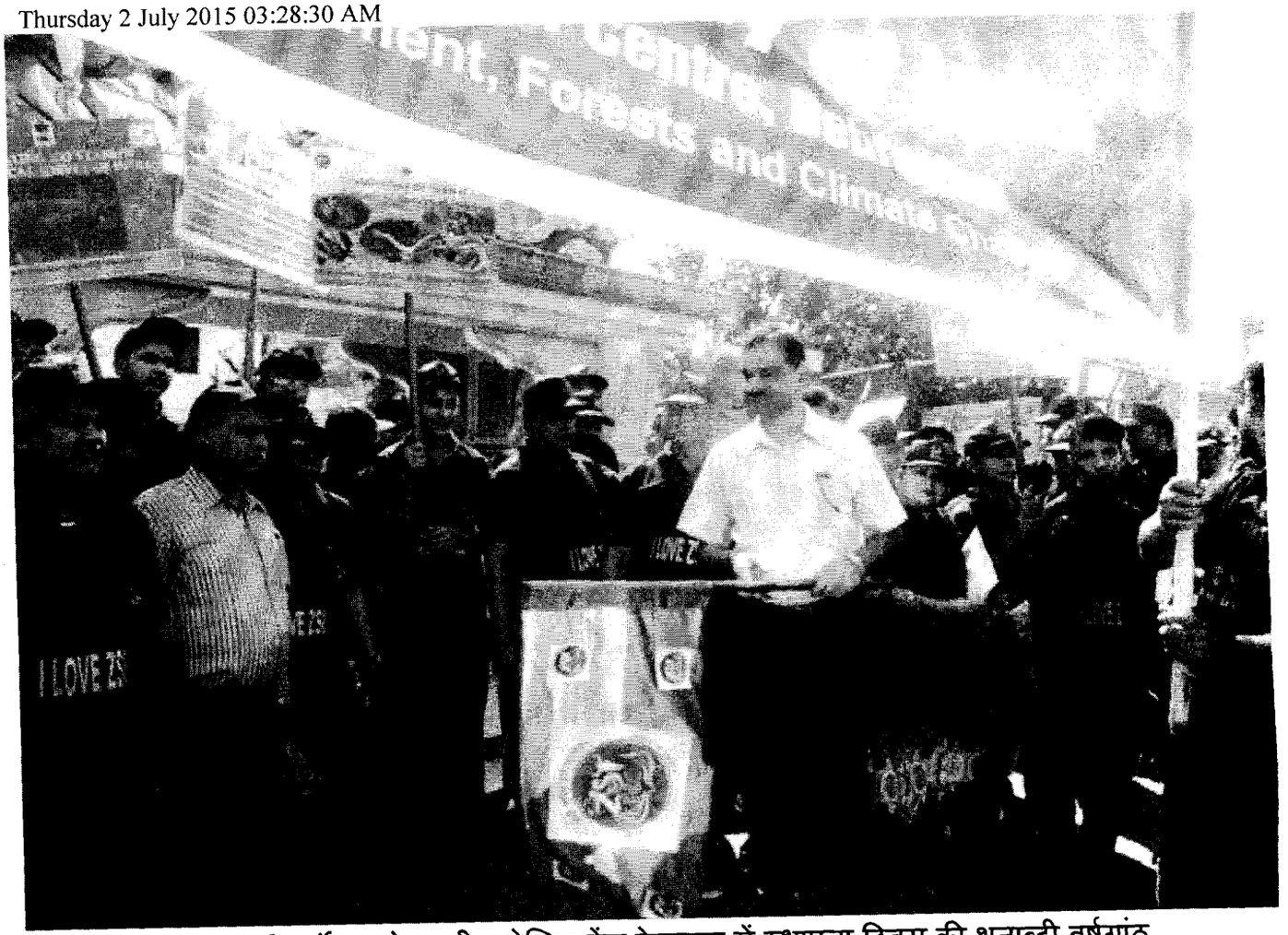

देहरादून। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के उत्तरी प्रादेशिक केंद्र देहरादून में स्थापना दिवस की शताब्दी वर्षगांठ मनाई गई। शताब्दी दिवस के मुख्य अतिथि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तराखंड के महानिदेशक डॉ राजेंद्र डोभाल और डॉ ए सेंथिल कुमार निदेशक भारतीय सुदूर संवेदी संस्थान देहरादून (आईआरएस) थे। इस अवसर पर शताब्दी दौड़ का आयोजन किया गया, जो भगवान श्रीकृष्ण के आशीर्वाद के बाद श्रीराधाकृष्ण मंदिर किशन नगर से शुरू हुई। दौड़ की शुरूआत मुख्य अतिथि डॉ राजेंद्र डोभाल के शताब्दी फ्लैग ऑफ से हुई। इस प्रोग्राम में कई विभागों एवं इस विभाग के प्रख्यात वर्तमान एवं सेवानिवृत अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। भारतीय सुदूर संवेदी संस्थान, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, भारतीय वन अनुसंधान संस्थान, केंद्रीय विद्यालय ओएनजीसी और वन अनुसंधान संस्थान के विद्यार्थी इस दौड़ में शामिल हुए।

विभाग परिसर में भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने शताब्दी वर्ष पर प्रतिज्ञा ली और भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के निदेशक डॉ के वैंकेटरमन, विभाग की प्रभारी अधिकारी डॉ एएन रिज़वी ने शताब्दी संदेश पढ़ा। विभाग के भूतपूर्व प्रभारी अधिकारी पीटी भूटिया और डॉ पीसी टाक इस अवसर पर मौजूद थे। डॉ राजेंद्र डोभाल ने उत्तराखंड के इतिहास में जैव विविधता की महत्ता पर व्याख्यान दिया और बच्चों को इसके प्रति उत्प्रेरित किया। उन्होंने आधुनिक प्रयोगशालाओं को देखा। इन उच्च आणविक वर्गीकरण प्रयोगशालाओं में भारतीय प्राणि सर्वेक्षण विभाग के वैज्ञानिकों ने जैव विविधता के अध्ययन में जो नई तकनीकें अपनाई हैं, उनके लिए उनकी प्रशंसा भी की। डॉ अर्चना बहुगुणा, डॉ एसआई काज़मी, डॉ नरेंद्र शर्मा, डॉ विनिता शर्मा ने अपने-अपने विशेष कार्य क्षेत्रों में केंद्रीय विद्यालय ओएनजीसी एवं एफआरआई के बच्चों को अपने क्षेत्र की जानकारी दी। कार्यशाला में भाग लेने के उपलक्ष्य में सभी को इस विभाग से प्रमाण पत्र दिए गए।